आइआइएम के सातवें दीक्षांत समारोह में बिखरी खुशियां

मिल गई डिग्री, अब सेटल होगी लाइफ

रायपुर • इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आइआइएम) रायपुर में मंगलवार का दिन यादों को संजोने वाला साबित हुआ। यहां आयोजित समारोह में पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम (पीजीपी) 2016-18 बैच के 147, पीजीपी 2015-17 बैच के 49, पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम फॉर वर्किंग एक्सक्यूटिव के 10 छात्रों और मैनेजमेंट में फेलो प्रोग्राम के 8 स्टूडेंट्स को डिग्री बांटी गई। स्टूडेंट्स के चेहरों में रौनक देखते बन रही थी, वहीं अलग-अलग राज्यों से आए पैरेंट्स भी मुबारक मौके पर खुशी से फूले नहीं समा रहे थे। मुख्य अतिथि रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण, विशिष्ट अतिथि मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह रहे। शासी मंडल की अध्यक्षा श्यामला गोपीनाथ और डायरेक्टर भारत भास्कर ने संस्थान की ओर से मेजबानी की।

ताली बजाना भी प्रबंधन है

मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह ने हंसी-ठिठोली से मैनेजमेंट की गुढ़ बातो व अनुभवों को स्टूडेंट्स से साझा किया। उन्होंने कहा कि ताली बजाना भी एक प्रबंधन है। इससे समझ में आ जाता है कि लोग आपको कितना सुनना चाह रहे हैं। उनकी हर बात पर ताली बजती देखकर वे कहने लगे कि बार-बार ताली बजाना भी ठीक नहीं।

दीदी से हुआ प्रेरित

तीसरी रैंक हासिल करने वाले **प्रतीक गर्ग** ने पीजीपी चेयरमैन मैडल हासिल किया। उन्होंने बताया कि रुड़की से आइआइटी किया है। पापा रेलवे में लोको पायलेट हैं। बड़ी बहन आइआइटी बीएचयू की गोल्ड मेडलिस्ट हैं और अमेजन बैंगलोर में सॉफ्टवेयर डवलपर हैं। उनसे ही प्रेरित होकर मैं इस प्रोफेशन में आया। आइसीआइसीआइ बैंक मुंबई में बतौर मैनेजर प्लेसमेंट हुआ है।

छोड़कर जाना मुश्किल लग रहा

यश वर्धन जिन्हें पीजीपी प्रेसीडेंट के गोल्ड मैडल से सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि जब पहली बार आइआइएम रायपुर आया था, मैं थोड़ा निराश था और मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुझे यह जगह पसंद आएगी। दो साल बीत चुके हैं और यह स्थान छोड़कर जाना मेरे लिए मुश्किल हो रहा है।

कैंसर से जीतकर हासिल किया गोल्ड

जया गुप्ता ने कैंसर जैसी बीमारी को मात देते हुए पीजीपीडब्यूइ में गोल्ड मैडल अचीव किया। उनके पैरेंट्स बीके-मंजू अग्रवाल ने नम आंखों से कहा कि हमें अपनी बिटिया पर गर्व हो रहा है। जिन हालातों में इसने एग्जाम की तैयारी वह दुखद था लेकिन आज गोल्ड मिलता देखकर हम सारी बातों को भूल चुके हैं। हम लोगों को यही संदेश देना चाहते हैं कि अपने बच्चों के सपनों में जीयें।

टेक्नीकल से ज्यादा पीपुल्स रीडरशिप की जरूरत

साई दाक्षित्य गौर ने आंध्रा के वारांगल से एनआइटी किया और यहां पीजीपी16-18 में फर्स्ट रैंक हासिल कर बीओजी गोल्ड मैडलिस्ट बने। उनका प्लेसमेंट एक्सिस बैंक में बतौर डिप्टी मैनेजर हुआ है। वे कहते हैं कि मैं टेक्नीकल से हूं। लेकिन मुझे ऐसा लगा कि टेक्नीकल से ज्यादा पीपुल्स रीडशर्प आज की जरूरत है। इसलिए मैंने आइआइएम में दाखिला लिया।

खुद को जानने का मिला अवसर

पार्थ सारथी साहू को समग्र प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। सारथी साहू ने कहा, यह एक बहुत अच्छा शैक्षिक अनुभव था। दो साल आपको दूसरे क्षेत्रों के बारे में जानने का, अपनी सीमा बढ़ाने और सबसे महत्वपूर्ण बात अपने बारे में अधिक जानने का मौका मिला।

एसबीआइ से जॉब छोड़ मैनेजमेंट में आई

रैंकिंग में दूसरा स्थान प्राप्त कर डायरेक्टर गोल्ड मैडल हासिल करने वाली गरिमा बिस्ट ने बताया, मैं एसबीआइ में जॉब कर रही थी। मैं उससे बेहतर अपॉर्चुनिटी चाहती थी। इसलिए इस फील्ड को चुना। पापा भोपाल में इंजीनियर हैं जबकि मम्मा हाउस वाइफ। आइसीआइसीआइ मुंबई में प्लेसमेंट हुआ है मैं ट्रिपलआइटी जबलपुर से पासआउट हूं।

Patrika, 11th April 2018, P.13